● **सुनो, समझो और पढ़ो :**

४. सोना और लोहा

– रामेश्वरदयाल दुबे

जन्म : २१ जून १९०८ उ. प्र. **मृत्यु :** २४ जनवरी २०११ **रचनाएँ :** 'अभिलाषा', 'चलो-चले', 'डाल-डाल के पंछी',' माँ यह कौन', 'फूल और काँटा' आदि । **परिचय :** आप प्रसिद्ध बाल साहित्यकार हैं ।

प्रस्तुत संवाद में रूप-रंग की अपेक्षा सद्‌गुणों के महत्त्व पर जोर दिया गया है ।

अध्ययन कौशल

विभिन्न धातुओं के नाम और उनसे बनने वाली वस्तुएँ लिखो ।

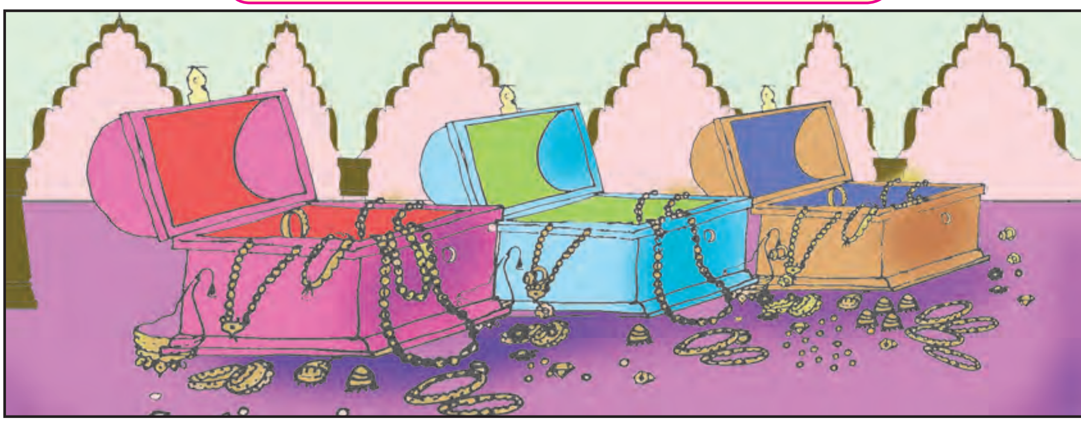

सोना : मैं स्वर्ण, मैं सोना, मेरी भी क्या शान है ! जिसे देखो, मुझे चाहता है; मेरे गुण ही ऐसे हैं ।

लोहा : नमस्ते ! क्या कह रहे थे – मेरा रूप ही ऐसा है, मेरे गुण ही ऐसे हैं ?

सोना : मैं क्या झूठ बोल रहा हूँ ? मेरा चमकता पीला रंग देख ! संसार में मैं सबसे सुंदर हूँ ।

लोहा : सोने, पहले यह तो बता कि तू तिजोरी से बाहर क्यों आया ? लाख बार कहा कि तेरा बाहर आना खतरे से खाली नहीं, मगर तू मानता ही नहीं । तेरी रक्षा का भार मुझपर है।

सोना : राजा की रक्षा उसके नौकर-चाकर करते ही हैं ।

लोहा : अच्छा, तू राजा और मैं नौकर ? मेरे एक चाँटे से तेरा रूप बदल जाएगा । चल भीतर ।

सोना : भले ही तुम मुझसे बड़े हो, मगर मुझे डाँटने का तुम्हें कोई अधिकार नहीं । मेरे दस ग्राम का मूल्य पच्चीस हजार तो तुम पच्चीस-तीस रुपयों में किलो के हो ।

लोहा : रुपयों में किसी वस्तु का मूल्य लगाना व्यर्थ है । देखना यह चाहिए कि कौन कितना उपयोगी है । सोने से पेट नहीं भरता । मैं सबका हाथ बँटाता हूँ ।

सोना : अरे, लोहे से कैसे पेट भरता है ?

लोहा : मैं अगर न रहूँ, तो किससे बनेगा फावड़ा, कुदाल, खुरपी ? मकान बनाना हो, तो लोहा चाहिए । युद्ध में लोहे के ही अस्त्र-शस्त्र काम देते हैं । कोई बड़ा काम करना हो, लोहे के बिना हो ही नहीं सकता । रोटियाँ भी लोहे के तवे पर ही सेंकी जाती हैं । सभी कुछ लोहे से बनता है ।

सोना : अँगूठी, माला, बाली लोहे से नहीं बनते । उसके लिए मेरी ही तलाश होती है । मैं राजा-महाराजाओं, धनिकों का प्यारा हूँ । मैं ऊँची जगह रहता हूँ , नीचे नहीं उतरता ।

❑ संवाद का आदर्श वाचन करें । मुखर वाचन करवाएँ । मित्र के कौन-से गुण आपको अच्छे लगते हैं पूछें । खेल भावना के अनुसार अच्छे गुण स्वीकार करने और दोषों को दूर करने के लिए कहें । संवाद में आए कारकों का वाक्य प्रयोग कराएँ ।

विचार मंथन

।। आराम हराम है ।।

लोहा : तू राजाओं-धनिकों का प्यारा है, मैं किसानों-मजदूरों का प्यारा हूँ। गरीबों की सेवा करने में मुझे सुख मिलता है। राजाओं के दिन लद गए अब तो श्रमिकों के दिन हैं।

सोना : मुझसे तो मेहनत नहीं होती। मैं तो आराम से रहता आया हूँ और रहना चाहूँगा।

लोहा : आराम हराम है। श्रम में ही जीवन की सफलता है, तुमने देखा है, मैं कितना काम करता हूँ। मैं कल-कारखानों में दिन-रात काम करता हूँ। जो काम करेंगे, उन्हीं का सम्मान होगा।

सोना : तो मेरा अब क्या होगा, दादा, मुझे घबराहट हो रही है।

लोहा : तू डाल-डाल मैं पात-पात, डर मत सोने ! मैं सदा तेरी रक्षा करता आया हूँ, आगे भी करूँगा, मगर अब तू घमंड करना छोड़ दे।

सोना : छोड़ दूँगा भैया, मगर मेरी रक्षा करना।

लोहा : अच्छा, अच्छा ! तू मेरा छोटा भाई है न। चल भीतर चल, बिना पूछे बाहर मत आना।

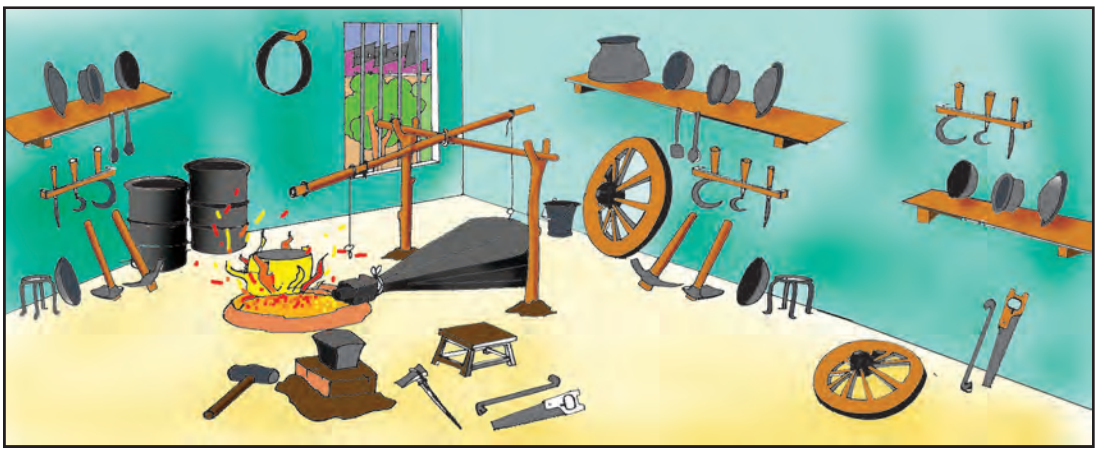

मैंने समझा

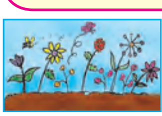

शब्द वाटिका

नए शब्द

शान = ठाट-बाट
धनिक = धनवान
मूल्य = महत्त्व, कीमत
श्रमिक = मजदूर
तलाश = खोज

मुहावरा

दिन लद जाना = बीती बात होना

कहावत

तू डाल-डाल, मैं पात-पात = तुम निपुण हो परंतु मैं तुमसे अधिक निपुण हूँ।

भाषा की ओर

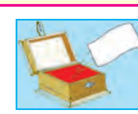

निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय लगाकर लिखो।

....
....
....

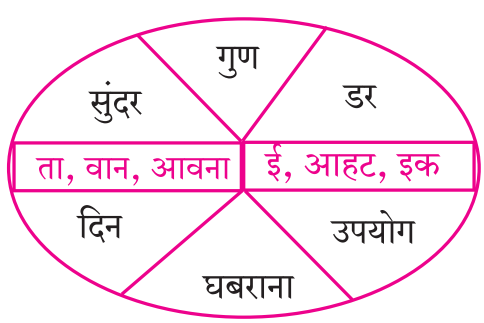

सुनो तो जरा

बस/ रेल स्थानक की सूचनाएँ ध्यानपूर्वक सुनकर सुनाओ ।

बताओ तो सही

थर्मामीटर में किस धातु का प्रयोग होता है, बताओ ।

वाचन जगत से

दुकानों के नाम फलक पढ़ो और उनका अभिनय करो ।

मेरी कलम से

अंकुरित अनाजों की सूची बनाओ और उपयोग लिखो।

सदैव ध्यान में रखो

प्रत्येक का अपना-अपना महत्त्व होता है।

जरा सोचो ..... चर्चा करो

यदि खनिज तेल का खजाना समाप्त हो जाए तो...

* सही या गलत बताओ ।

१. युद्ध में लोहे के ही अस्त्र-शस्त्र काम देते हैं ।
२. रोटियाँ भी सोने के तवे पर सेंकी जाती हैं ।
३. श्रम में ही जीवन की सफलता है ।
४. जो काम करेंगे, उन्हीं का अब सम्मान नहीं होगा ।

खोजबीन

रुपयों (नोट) पर लिखी कीमत कितनी और किन भाषाओं में अंकित है, बताओ ।

स्वयं अध्ययन

सद्‌गुणों को आत्मसात करने के लिए क्या करोगे, इसपर आपस में चर्चा करो ।

* निम्नलिखित शब्दों का रोमन लिपि में लिप्यंतरण करो ।

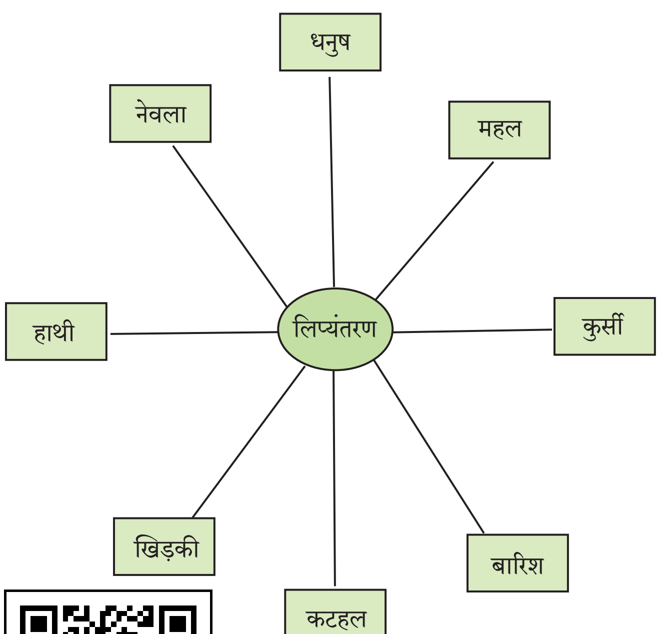

KLYI8K

* निम्नलिखित कारकों का अपने वाक्यों में प्रयोग करो ।

- ने ----------------------
- को ----------------------
- से ----------------------
- को ----------------------
- से ----------------------
- का, की, के ----------------------
- में, पर ----------------------
- अरे! ----------------------